माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
अंग्रेजी	1 2 0	हिन्दी

[redacted]

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक: 0411888

अंकों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

–	2	7	3	5	2	7	5	1	5

शब्दों में

[redacted]	दो	सात	[redacted]	पाँच	दो	सात	पाँच	एक	पाँच

[redacted]

नीचे दिये गये उदाहरण के अनुसार रोल नम्बर भर

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में X

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 14

ग – परीक्षा का दिनांक 23 03 2017

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी प्रमाण-पत्र परीक्षा केन्द्र क्रमांक 351004

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Ramjisuthy	AGmosle

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
नगर सिंह राठौर वरिष्ठ अध्यापक शा.उ.मा.वि. धोलावास (रतलाम) प.क्र.9430234 मो. 9425329454	... (वरिष्ठ अध्यापक) परीक्षक पंजीयन क्र. 9430221 ... जिला-रतलाम Mob 7770710110

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक		अंकों में)
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			
27			
28			

कुल प्राप्तांक शब्दों में : कुल प्राप्तांक अंकों में

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

क्र. प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-1

(अ) (iv) 10 लाख से अधिक ।

(ब) (iii) गन्ना ।

(स) (ii) पेट्रोल को ।

(द) (ii) आर्यभट्ट ।

(इ) (i) 60-70 ।

B S E

प्रश्नोत्तर क्र.-2

(अ) जर्मनी ।

(ब) चीन ।

(स) झूमिंग कृषि ।

(द) अन्ध महासागर ।

(इ) सिक्किम ।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-3

(अ) कल्पक्कम ।

(ब) अहमदाबाद ।

(स) लघु स्तरीय प्रदेश ।

(द) संचार ।

(इ) ग्रीन हाउस प्रभाव ।

BSE

प्रश्नोत्तर क्र.-4

(अ) नगरीकरण और औद्योगीकरण ।

(ब) मौसम संबंधी सूचनाओं को प्रेषित करने के लिए एक कृत्रिम उपग्रह ।

(स) मैंगनीज ।

(द) केरल ।

(इ) 500 से 10,000 तक ।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.- 5

अमेरिकी भूगोलवेत्ता कुमारी सेम्पुल जर्मन भूगोलवेत्ता रेटजेल की शिष्या थी।

प्रश्नोत्तर क्र.- 6 (अथवा)

वृहत नगर :—
वृहत नगर उन नगरो को कहा जाता है जिनकी जनसंख्या ~~(50 लाख से अधिक होती हैं। जैसे- टोकियो, लंदन।)~~ घनत्व 2000 व्यक्ति प्रति वर्गकि.मी. होता है। जैसे- टोकियो, लंदन।

प्रश्नोत्तर क्र.- 7

ऊर्जा के दो परम्परागत साधन हैं :—

(i) कोयला।
(ii) पेट्रोलियम।

B S E

DARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPA

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र. - 8

पर्यावरण प्रदूषण का अर्थ :—

'प्रदूषण' का अर्थ है - 'गंदा करना' अर्थात् पर्यावरण (जल, वायु, मृदा) में भौतिक, रासायनिक तथा अवांछनीय तत्वों के समावेश से उसकी गुणवत्ता में कमी आने को पर्यावरण प्रदूषण कहते हैं।

प्रश्नोत्तर क्र. - 9

भारत में आयात होने वाली तीन वस्तुएँ निम्नांकित हैं :—

(i) **पेट्रोलियम :—**
भारत पेट्रोलियम का आयात सऊदी अरब, ईराक तथा संयुक्त राष्ट्र अमेरिका से करता है। भारत में पेट्रोलियम की अत्याधिक खपत होती है।

(ii) **मशीनें :—**
भारत उद्योगों में नई तकनीकी विकास हेतु मशीनों का आयात यूरोपीय देशों तथा रूस, अमेरिका और जापान से करता है।

(iii) **उर्वरक एवं रसायन :—**
भारत कृषि में विकास हेतु उर्वरक एवं रसायन अमेरिका, जापान तथा चीन से आयात करता है।

6 [ ] + [ ] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ क्र. कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-10

संचार के साधनों का महत्व :-

आधुनिक युग में संचार के साधनों में उनकी उपयोगिता को देखते हुए तीव्र गति से विकास किया जा रहा है। प्राचीन समय में पक्षियों तथा पत्रों के माध्यम से संदेश प्रेषित किए जाते थे किंतु आज संचार के साधन डाक, तार, टेलीफोन, फैक्स इत्यादि से संदेश भेजे जाते है वरन् प्राप्त भी किए जाते है।

(i) संचार के साधन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सुगमता पूर्वक संचालन तथा विकास में सहायक है।

(ii) टेलीविज़न, रेडियो जैसे संचार साधन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और संस्कृति के प्रसार में वृद्धि करने में उपयोगी है।

(iii) संचार के साधनों के माध्यम से आज व्यक्ति घर बैठे इन्टरनेट के माध्यम से विश्व की समस्त जानकारी प्राप्त कर सकता है तथा उसका सजीव चित्रण भी देख सकता है।

BSE

या: मूक पृष्ठ + पृष्ठ अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARD

प्रश्नोत्तर क्र.-11

हरित क्रांति :—

हरित क्रांति कृषि क्षेत्र में उपयोग मे लाई जाने वाली वह तकनीकी एवं कुशल प्रणाली है जिसके सहयोग से कृषि क्षेत्र में विकास और उन्नति की क्रांति उत्पन्न हुई।

~~हरित क्रांति का कृषि~~

हरित क्रांति का परिणाम :—

(i) **उत्पादन में वृद्धि :—**

हरित क्रांति के आगमन से कई फसलो के उत्पादन में वृद्धि हुई। गेहूँ में साढ़े तीन गुना, दालों में तीन गुना तथा चावल, मक्का और ज्वार में दो गुना वृद्धि हुई तथा गन्ना, कपास जैसी नकद फसलों के उत्पादकता में वृद्धि हुई।

(ii) **उन्नत बीजों के प्रयोग में वृद्धि :—**

हरित क्रांति के कारण सन् 1998-99 में उन्नत बीजों का वितरण जहाँ ~~338~~ 75 लाख क्विंटल था वही 2007-08 में बढ़कर 3 लाख क्विंटल के बराबर हो गया।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र. – 12

भारत में सूती वस्त्र उद्योग के स्थानीयकरण के तीन कारण निम्नलिखित है :–

(1) कच्चे माल की सुलभता :–

भारत में सूती वस्त्र उद्योग महाराष्ट्र और गुजरात में विशेष रूप से स्थित है। कच्चे माल का उपलब्ध होना किसी उद्योग के स्थानीयकरण का एक प्रमुख कारण है। महाराष्ट्र में मुम्बई बंदरगाह रूई का एक विशाल केन्द्र है। तथा कप भारत की जलवायु कपास के उत्पादन के अनुकूल है।

(2) पूँजी की पर्याप्तता :–

किसी देश में उद्योग की स्थापना के लिए आवश्यक पूँजी की जरूरत होती है तभी उद्योगों का विकास संभव है। भारत में सूती वस्त्र उद्योग के लिए कुशल निवेशक और पूँजीपतियों की पूँजी लगाई गई है।

(3) सस्ते श्रमिकों की उपलब्धता :–

उद्योगों में सस्ते श्रमिकों के साथ कुशल श्रमिकों की सहायता होती है। भारत में सूती वस्त्र उद्योग में कपड़ों की रँगाई, बुनाई और धुलाई के लिए सस्ते श्रमिक आसानी से उपलब्ध हो जाते है।

BSE

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBO

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-13

दक्षिणी-पूर्वी एशिया में जनसंख्या घनत्व के उत्तरदायी कारकों का वर्णन निम्नलिखित है :-

(1) जलवायु :-

किसी क्षेत्र में जनसंख्या घनत्व का एक महत्वपूर्ण और आवश्यक कारक जलवायु है। जहाँ की जलवायु मानव के अनुकूल और कार्यों को करने में सहायक सिद्ध होती है, वहाँ जनसंख्या का घनत्व अधिक तथा जहाँ जलवायु मानव के प्रतिकूल अर्थात् अत्याधिक ठंडी और अत्याधिक गर्म होती है, वहाँ जनसंख्या का निवास नहीं होता है।

(2) धरातल :-

जहाँ धरातल कृषि योग्य, समतल, उपजाऊ तथा जीवनयापन के लिए श्रेष्ठ होता है, वहाँ जनसंख्या अत्याधिक तेजी से बढ़ती है तथा इसके विपरीत जिन स्थानों पर भूमि ऊबड़-खाबड़, बंजर होती है वहाँ जनसंख्या का घनत्व कम होता है।

(3) भरण-पोषण की क्षमता :-

कुछ स्थानों पर भरण-पोषण की क्षमता अधिक होती है तथा कुछ क्षेत्रों में कम होती है। जहाँ जनसंख्या का प्रमुख व्यवसाय कृषि होता है, वहाँ जनसंख्या अधिक तथा जिनका प्रमुख व्यवसाय मत्स्यपालन, पशुपालन तथा शिकार करना इत्यादि होता

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

है, वहाँ जनसँख्या कम पाई जाती है क्योंकि इससे आय कम प्राप्त होती है।

(4) परिवहन और संचार की सुविधा :—

जिन क्षेत्रों में परिवहन और संचार की सुविधा विकसित होती है, वहाँ जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है तथा परिवहन और संचार की असुविधा व्यक्ति के विकास में बाधक होती है। अतः उन क्षेत्रों में जनसंख्या कम होती है।

इस प्रकार, उपर्युक्त कारणों की विवेचना से ज्ञात होता है कि दक्षिणी-पूर्वी एशिया में इनकी पर्याप्त सुविधा है। अतः दक्षिण-पूर्वी एशिया में जनसँख्या घनत्व अधिक है।

BSE

प्रश्नोत्तर क्र. - 14

व्यावसायिक कृषि :—

व्यावसायिक कृषि, कृषि की वह पद्धति है जिसमें नकद लाभ की दृष्टि से फसलों का उत्पादन किया जाता है। इसमें फसलों का विशिष्टीकरण होता है। इसे 'बागाती कृषि' तथा 'रोपण कृषि' भी कहा जाता है।

मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

व्यावसायिक कृषि की विशेषताएँ निम्नलिखित है :—

(i) व्यावसायिक कृषि 40 हेक्टेयर से 6000 हेक्टेयर तक की भूमि में किया जाता है।
(ii) इसमें उन्नत किस्म के बीजो तथा उर्वरकों का बहुतायत से प्रयोग किया जाता है।
(iii) इसमें उच्च तकनीक तथा यूरोपीय पूँजी का उपयोग किया जाता है।
(iv) इसमें सस्ते श्रमिकों तथा दासों को लगाया जाता है।
(v) इस कृषि से प्राप्त उत्पादन को बड़ी व्यापारिक मण्डियों में बेचा जाता है।
(vi) फसलों का संशोधन किया जाता है।

प्रश्नोत्तर क्र. - 15 (अथवा)

रेलपरिवहन :— रेल परिवहन भारत की अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। 16 अप्रैल, सन् 1853 में प्रथम रेलगाड़ी मुम्बई से थाणे तक 34 कि.मी. तक चलाई गई थी।

रेल परिवहन के चार लाभ निम्नलिखित है :—

(1) भार ढोने का उपयुक्त साधन :— रेल परिवहन भार ढोने का एक सस्ता और सुलभ साधन है। यह भारत की 3/4 जनसंख्या तथा 80 प्रतिशत भार को एक

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

स्थान से दूसरे स्थान पहुँचाता है। जिससे अर्थव्यवस्था को लाभ पहुँचाता है।

(2) कृषि के विकास में सहायक :—

रेल परिवहन के माध्यम से कृषि का विकास संभव हुआ है। भारत के कृषक पूर्व में केवल स्थानीय जरूरत की वस्तुओं फसलों का उत्पादन करते थे लेकिन रेल परिवहन के विकास से वह नकदी फसल जैसे- गन्ना, कपास इत्यादि का अधिकाधिक मात्रा में उत्पादन करने लगे। जिससे कृषक वर्ग को लाभ प्राप्त हुआ।

(3) मूल्य स्थिरता में सहायक :—

रेल परिवहन मूल्य-स्थिरता में सहायक है क्योंकि जिन स्थानों पर वस्तुओं की कमी है, उन स्थानों पर अधिकतम उत्पादित वस्तुओं के स्थानों से लेकर परिवहन द्वारा शीघ्र पहुँचा दिया जाता है, जिससे कीमत में स्थिरता बनी रहती है। इसके कारण उपभोक्ता को लाभ प्राप्त होता है।

(4) प्राकृतिक आपदाओं में सुरक्षा में सहायक :—

रेल परिवहन प्राकृतिक आपदा जैसे- सूखा, बाढ़ इत्यादि में पीड़ित लोगों को खाद्य सामग्री तथा पेय पदार्थ उपलब्ध कराता है। रेल परिवहन सरलता से सामग्री को स्थल तक पहुँचा देता है जिसके कारण इसकी उपयोगिता बढ़ती जा रही है।

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र. - 16

लिंग-संयोजन :- भारत में प्रति एक हजार पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या को प्रदर्शित करना, लिंग संयोजन अथवा लिंगानुपात कहलाता है।

भारत में लिंगानुपात कम होने के कारण निम्नलिखित है :-

भारत मे प्रति 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ है। इसके कम होने का कारण निम्नांकित है —

(i) भारत एक पुरुष प्रधान देश है जहाँ लड़को को अधिक प्राथमिकता दी जाती है तथा लड़कियों की उपेक्षा की जाती है।

(ii) कन्या भ्रूण हत्या लिंगानुपात कम होने का एक प्रमुख कारण है।

(iii) प्रसव के दौरान महिलाओं के लिए आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का अभाव ~~के~~ होना, जिससे महिलाओ की मृत्यु दर मे वृद्धि हुई।

(iv) बढ़ती सामाजिक कुरीतियाँ जैसे-शोषण के कारण आज कोई बालिका को जन्म नही देना ~~चाहिए~~ चाहता है।

(v) समाज की संकुचित सोच महिलाओ के विकास मे बाधक है।

अतः निम्न कारणों से भारत में लिंगानुपात कम पाया जाता है।

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र - 17 (अथवा)

ऊर्जा के गैर-परम्परागत साधनों का वर्णन निम्नानुसार है :-

ऊर्जा के गैर-परम्परागत साधन वह है जिनका नवीनीकरण किया जा सकता है तथा वह समाप्त नही होते है।
जैसे- पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, बायोमास, बायो-गैस इत्यादि।

इनका वर्णन निम्नानुसार है :-

(i) पवन ऊर्जा :- पवन ऊर्जा, ऊर्जा के गैर-परम्परागत साधनों में आवश्यक साधन है जिसका उपयोग विद्युत उत्पन्न करने, टरबाइन को घुमाने, विभिन्न उद्योगों तथा कारखानों की मशीनों को संचालित करने में किया जाता है।
पवन ऊर्जा की भारत में उत्पादन क्षमता लगभग 14,550 मेगावाट आँकी गई है किंतु अभी तक केवल 4000 मेगावाट (लगभग) का प्रयोग ही हो पाया है।

(ii) सौर ऊर्जा :- सौर ऊर्जा, सूर्य से प्राप्त ऊर्जा का प्रतिबिम्ब है। इसका उपयोग सोलर कुकर में खाने बनाने तथा घरों में विद्युत लालटेन के रूप

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

में किया जाता है। सौर ऊर्जा से भारत में उत्पादन क्षमता लगभग 690 मेगावाट है लेकिन वर्तमान में केवल 125 मेगावाट का प्रयोग हो पाया है।

(iii) नगरीय कूड़ा-करकट कार्यक्रम :—

आज के युग में नगरीय कूड़ा-करकट से उत्पन्न ऊर्जा अत्यधिक उपयोगी है। क्योंकि भारत में के नगरों में कूड़े के अथाह भंडार है जिनका प्रयोग विद्युत उत्पादन तथा अन्य कार्यों में किया जा रहा है।

भारत में इसकी अनुमानित क्षमता लगभग 1300 मेगावाट है किंतु केवल 125 मेगावाट का ही उपयोग हो सका है।

(iv) लहर ऊर्जा :— समुद्रों में आने वाले विशाल और घातक ज्वार-भाटा की लहरों से विद्युत का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता है। भारत में लहर ऊर्जा के प्रयोग के नवीन तरीकों का अनुसंधान जारी है।

(v) परमाणु ऊर्जा :— परमाणु ऊर्जा भारत के अनुसंधान क्षेत्र में एक नया गैर-परम्परागत साधन है, जिसका भारत में प्रयोग न्यूनतम है किंतु शीघ्र ही इसकी अनुमानित क्षमता में वृद्धि की जाएगी।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-18

लघु उद्योग एवं वृहत उद्योग मे अंतर निम्नलिखित है:-

क्र.	लघु उद्योग	वृहत उद्योग
1.	लघु उद्योग छोटे स्तर के उद्योग होते है।	वृहत उद्योग बड़े पैमाने के उद्योग होते है।
2.	लघु उद्योगों में स्थानीय तथा देश के माल का कच्चे माल के रूप में प्रयोग किया जाता है।	वृहत उद्योग कच्चा माल आयात करते है।
3.	लघु उद्योगों में उत्पादित वस्तुओं की गुणवत्ता पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है।	वृहत उद्योगों में उत्पादित वस्तुओं की गुणवत्ता पर पर्याप्त ध्यान दिया जाता है।
4.	लघु उद्योगों में उत्पादित माल स्थानीय बाजारों मे बेचा जाता है।	वृहत उद्योगों में उत्पादित माल निर्यात किया जाता है।
5.	लघु उद्योगों में शक्ति चालित मशीनों का उपयोग किया जाता है।	वृहत उद्योग में विद्युत चालित मशीनों का अत्याधिक उपयोग किया जाता है।

BSE

केन्द्र क्रमांक 351004

World Map

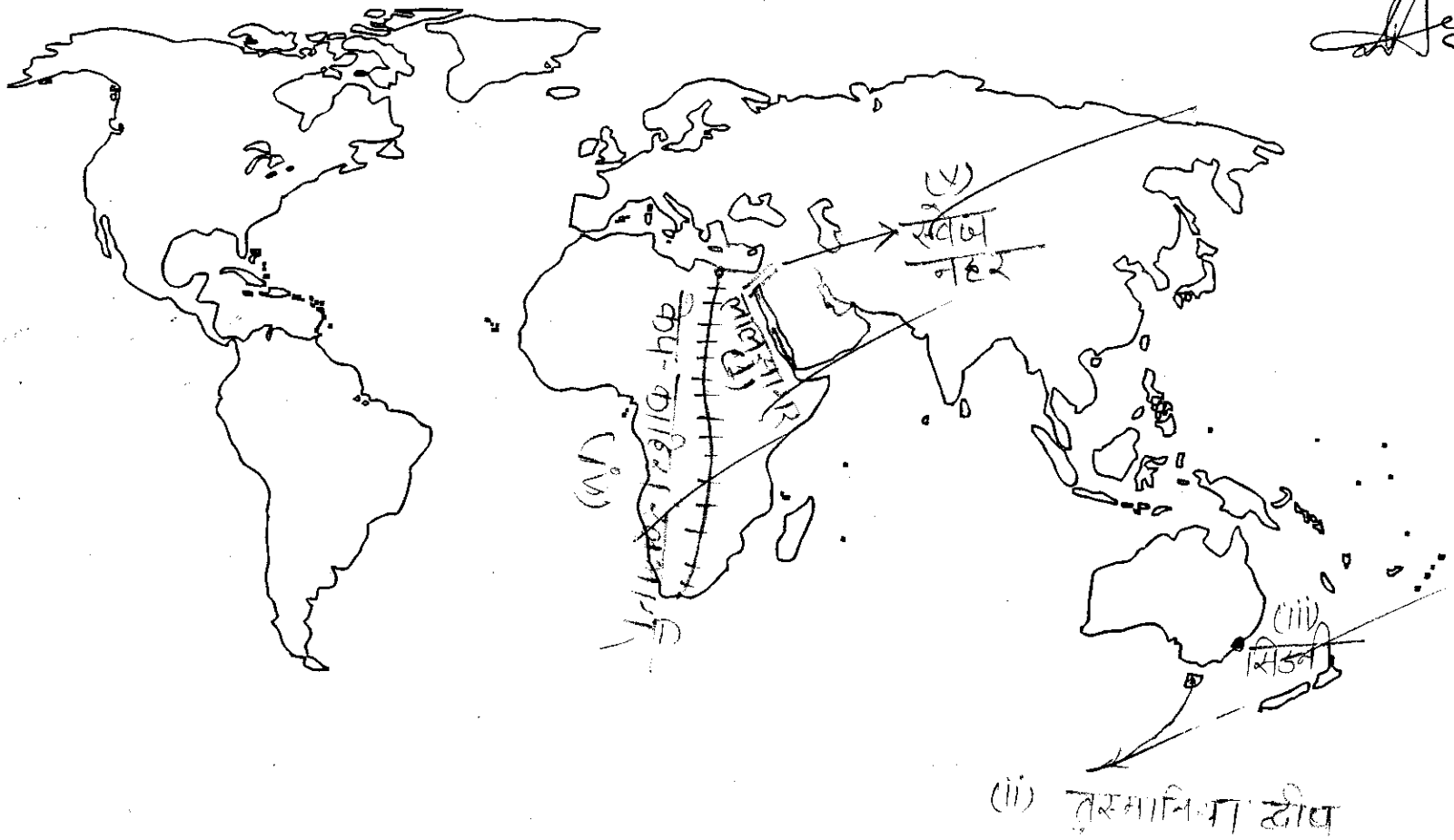

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL
प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-20

भारत में कपास की उपज की भौगोलिक दशाएँ निम्नलिखित है :—

(i) तापमान :—

भारत उष्ण तथा उपोष्ण कटिबंधीय पौधा है। इसे अधिक तापमान की आवश्यकता नहीं होती है। इसके लिए 20°-30° तापमान पर्याप्त है। किंतु तापमान 15° से.ग्रे. से कम नही होना चाहिए।

B
S
E

(ii) वर्षा :—

कपास को उगते समय वर्षा की आवश्यकता है। वर्षा लगभग 100-125 सेमी. होना आवश्यक है। पकते समय तथा बोते समय वर्षा नही होनी चाहिए। पालारहित मौसम इसके लिए उपयुक्त है।

(iii) सस्ते श्रमिक :—

कपास की छँटाई, निराई, गुड़ाई करने में अत्याधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है। जो इन कार्यों को करने में कुशल हो।

(iv) मिट्टी :—

कपास के लिए उपजाऊ गहरी जलोढ़ मिट्टी तथा लावा की काली मिट्टी तथा चीकायुक्त कांप मिट्टी भी उपयुक्त होती है इसी

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

यह अधिकांश उष्ण क्षेत्रों में बोई जाती है।

(ब) उत्पादक क्षेत्र :- भारत में महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु तथा गुजरात में कपास का अत्याधिक उत्पादन किया जाता है।

— X —

B
S
E